मिशन LiFE

मिशन LiFE: लाइफस्टाइल फॉर द एनवायरनमेंट (P3 मॉडल यानी Pro Planet People को प्रोत्साहन)

परिचय

- इस विचार/अवधारणा को भारतीय प्रधानमंत्री द्वारा वर्ष 2021 में ग्लासगो में 26वें संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (COP26) के दौरान प्रस्तुत पेश किया गया था।
  - **LiFE वैश्विक आंदोलन** विश्व भर के शिक्षाविदों, शोधकर्त्ताओं और स्टार्ट-अप्स को उन तरीकों पर विचार करने हेतु आमंत्रित करता है जिनसे पर्यावरण संकट का समाधान करने के लिये सामूहिक कार्रवाई की पूरी क्षमता का उपयोग किया जा सकता है।
- **मिशन LiFE (पर्यावरण के लिये जीवन शैली)** की शुरुआत गुजरात के केवड़िया (जहाँ स्टैच्यू ऑफ यूनिटी स्थित है) से की गई है।
- **वर्ष 2022-28 की अवधि** में पर्यावरण संरक्षण के लिये व्यक्तिगत और सामूहिक कार्रवाई हेतु कम-से-कम एक बिलियन भारतीयों तथा अन्य वैश्विक नागरिकों को जुटाना।
  - भारत में ही सभी गाँवों और शहरी स्थानीय निकायों में से कम-से-कम 80% लोगों को वर्ष 2028 तक एनवायरनमेंट फ्रेंडली बनाने का लक्ष्य रखा गया है।
- **नीति आयोग द्वारा संचालित तथा केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित।**

UNEP के अनुसार, यदि विश्व भर में 8 बिलियन में से 1 बिलियन व्यक्ति भी अपने **दैनिक जीवन में पर्यावरण के अनुकूल व्यवहार को अपना लें तो वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में 20% है तक की कमी हो सकती है।**

दृष्टिकोण

- व्यक्तिगत व्यवहार पर केंद्रित
- विश्व स्तर पर सह-निर्माण
- स्थानीय संस्कृतियों का लाभ उठाना

भारत द्वारा स्थापित उदाहरण

- **स्वच्छ भारत मिशन (SBM)** के क्रियान्वयन से 7 वर्षों की अवधि के भीतर ग्रामीण भारत में 100 मिलियन से अधिक शौचालयों का उपयोग किया गया।
- **उज्ज्वला योजना** के चलते वर्ष 2021 में LPG कनेक्शन वाले परिवारों की संख्या 99.8% तक पहुँच गई जो कि वर्ष 2015 में 62% थी ।
- विद्युत की खपत को कम करने वाले अनुकूली वास्तुशिल्प रूप जैसी पारंपरिक भारतीय प्रथाएँ और पादप आधारित खाद्य पदार्थ तथा कदन्न/मोटे अनाज (Millets) के लिये आहार वरीयता LiFE के लिये आधार के रूप में काम कर सकती हैं।

DRISHTI IAS

और पढ़ें...

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/mission-life-1

दृष्टि The Vision